



प्रेषक,

जी० बी० ओली,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
अर्थ एवं संख्या निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

नियोजन अनुभाग।

देहरादून, दिनांक: 06 फरवरी, 2008

विषय: अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखा शीर्षक-3454 के अन्तर्गत 02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकीय, 800-अन्य व्यय, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाओं, 0101-अर्थ एवं संख्या विभाग का पंचम आर्थिक गणना का क्रियान्वयन (अधिष्ठान) (100 प्रतिशत केन्द्रांश) मद में पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2007-08 के लिये अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक 1805/3-ले०(अ०एवं०सं०)/2007-08 दिनांक: 10 अक्टूबर, 2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखा शीर्षक-3454-02-800-01-0101- अर्थ एवं संख्या विभाग का पंचम आर्थिक गणना का क्रियान्वयन (अधिष्ठान) (100 प्रतिशत केन्द्रांश) की विभिन्न मदों पर वास्तविक आवश्यकता के अनुसार व्यय हेतु संलग्न-बी०एम०-15 के अनुसार बचतों को व्यावर्तित करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में कुल ₹ 3,14,000 (रुपये तीन लाख चौदह हजार मात्र) की अतिरिक्त धनराशि आपके निवर्तन पर रखते हुए व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि केवल उन्ही मदों पर व्यय की जायेगी जिनके लिये यह स्वीकृति की जा रही है। चालू योजना पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मदों के क्रियान्वयन के लिये नहीं किया जायेगा।
- 2- पूर्व में शासनादेश संख्या-51/XXVI-2/2007 दिनांक 10.4.2007 द्वारा संलग्न बी०एम०-15 के प्रथम व पंचम कालम में इंगित मदों के अन्तर्गत आवंटित की गई धनराशि के सापेक्ष यदि कोई आहरण/व्यय किया गया हो तो उस सीमा तक यह धनावंटन आदेश निष्प्रभावी होगा। यदि कोई आहरण व व्यय न किया गया हो तो नियमानुसार आहरण प्रमाण पत्र सम्बन्धित कोषागारों से प्राप्त कर किया जायेगा और ऐसे आहरण की दशा में पूर्व में उक्त वर्णित धनावंटन सम्बन्धी शासनादेश निरस्त समझा जायेगा।

- 3- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूल्स एवं मित्व्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जाएगा।
- 4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुश्त आहरण न करके यथा आवश्यकता अनुसार ही व्यय किया जायेगा तथा व्यय की विवरण यथासमय प्रत्येक माह बी०एम०-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाए।
- 5- यह सुनिश्चित किया जाए कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में अब तक जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
- 6- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "3454-जनगणना, सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी 800-अन्य व्यय, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें, 0101-अर्थ एवं संख्या विभाग का पंचम आर्थिक गणना का कियान्वयन (अधिष्ठान) (100 प्रतिशत केन्द्रांश) की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा।
- 7- यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय सं०-1003/XXVI-5(1)/2008 दिनांक 24 जनवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,


/

(जी० बी० ओली)  
संयुक्त सचिव।

संख्या: 14 (1)/XXVI-दो (2)/2007 तददिनांक।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- समन्वयक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 5- गार्ड फाइल।

  
(जी० बी० ओली)  
संयुक्त सचिव।

**आय-व्यय प्रपत्र-15**  
**पुनर्विनियोग 2007-08 विवरण पत्र**

(धनराशि हजार रुपये में)  
आय-उपभोग

नियन्त्रक अधिकारी-सचिव, नियोजन

अनुदान संख्या-07  
प्रशासनिक विभाग-निर्वाह विभाग

1	2	3	4	5	6	7	8
व्यय प्रपत्र-15 तथा लघु संशोधन विवरण	मानक मदवार आधारित व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अंश में अनुमानित व्यय	अवशेष इन्वेंस्टि (नरन्स)	लेखागोष्ठि जिसमें स्थानांतरित किया जाना है (धनराशि)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-01 में अवशेष धनराशि (हजार ₹00)	टिप्पणी
अनुदान संख्या-07 लेखागोष्ठि				अनुदान संख्या-07 लेखागोष्ठि			
3454-जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी				3454-जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी			
02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी				02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी			
800-अन्य व्यय				800-अन्य व्यय			
01-केंद्रीय अयोजनागत / केंद्र द्वारा पुनर्वित्तित योजनाएं				01-केंद्रीय अयोजनागत / केंद्र द्वारा पुनर्वित्तित योजनाएं			
0101-अर्थ एवं संख्या विभाग को पथम आर्थिक गणना का वित्तियन्वयन (अधिधान) (100 प्रतिशत केंद्रांश)				0101-अर्थ एवं संख्या विभाग को पथम आर्थिक गणना का वित्तियन्वयन (अधिधान) (100 प्रतिशत केंद्रांश)			
01-देतन-	--	--	141	07-मानदेय	80	--	आर्थिक गणना योजना के मानकों के अनुसार सेंसिटिव कार्यालयों एवं निदेशालय के कर्मचारियों/अधिकारियों को रिपोर्ट सॉफ्टवेयर, डाटा इन्पुट, विस्तृत प्रकाशन आदि कार्य हेतु मानदेय दिया जाना होगा।
03-महर्षि संस्था-	--	--	85	18-प्रकाशन	200	--	13 जनपदों, 2 मण्डलों एवं राज्य के रिपोर्ट प्रकाशित करने हेतु ₹00 12000 प्रति हेक्टर कार्यालय एवं निदेशालय हेतु ₹00 20000 की दर से धनराशि की आवश्यकता होगी।
05-अन्य संस्था-	--	--	18	42-अन्य व्यय	98	--	इस मद के अन्तर्गत डाटा इन्पुट सॉफ्टवेयर तैयार करना एवं राज्य की अंतिम रिपोर्ट Release करने हेतु कार्यालयों की जानी प्रस्तावित है।
48-महर्षि संस्था-	--	--	70			--	
योग ₹00-			योग- 314		378		

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग के बजट हेतु प्रपत्र के परिच्छेद- 150, 151, 155 एवं 156 में उल्लिखित प्रावधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(नीचे की ओर)  
संयुक्त सचिव।



उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-5

संख्या 1002(A)(1)/वि0अनु0-05/2007

देहरादून, दिनांक 24 सितम्बर 2007

पुनर्वित्तियोग स्वीकृत।

सेवा में महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओवरस भोटर्स विडिंग, देहरादून।

संख्या 14(U) /XXVI-2/2007 तददिनांक।

प्रतिनिधि - निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित:-

- 1- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 2- वित्त अनुभाग-05, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निदेशक, अर्थ एवं संख्या, उत्तराखण्ड, देहरादून।

(अनुमोदित)  
अपर सचिव।

आज्ञा में  
(जो0500 अति)  
संयुक्त सचिव।